



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 25 मई, 2026

जारी करने का समय: 1545 घंटे

- विषय: (i) अगले 4-5 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिमी भारत में, तथा अगले 3-4 दिनों के दौरान पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में, ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है।
- (ii) 29 मई से, राजस्थान के कुछ हिस्सों को छोड़कर, मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान में कमी आने और ऊष्ण लहर की स्थिति में राहत मिलने की संभावना है।
- (iii) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में, तथा अगले 2-3 दिनों के दौरान केरल और तमिलनाडु में, कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ 25 मई 2026 तक, मॉनसून की उत्तरी सीमा $7^{\circ}\text{N}/60^{\circ}\text{E}$, $7^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$, $7^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/80^{\circ}\text{E}$, $10^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$, $13.5^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$ और $17^{\circ}\text{N}/95^{\circ}\text{E}$ से होकर गुज़र रही है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी, तथा अंडमान सागर के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियाँ अनुकूल हैं।

आज, 25 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ केरल और माहे के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश (11-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; तथा असम और मेघालय के कुछ इलाकों में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ इलाकों में 50-100 किमी प्रति घंटेकी रफ़्तार वाली तेज़/झोंकेदार हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, रायलसीमा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार वाली हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख के कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हुई।
- ❖ विदर्भ के कई इलाकों में; तथा हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा के कुछ इलाकों में रातें गर्म रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (24-05-2026 तक): कल, उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत, सटे हुए उत्तर प्रदेश, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 43-47°C की सीमा में था, और देश के बाकी हिस्सों में (उत्तर-पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पश्चिमी-दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर) यह 40-43°C था। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.2°C ब्रह्मपुरी (विदर्भ) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (24-05-2026 तक): कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) था। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर; झारखंड और विदर्भ के कुछ स्थानों पर; ओडिशा, उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के कुछ अलग-अलग स्थानों पर यह सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था; और पंजाब के कई स्थानों पर यह सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) था। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, केरल और माहे के कई स्थानों पर; मराठवाड़ा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप के अधिकांश स्थानों पर; तथा अरुणाचल प्रदेश और रायलसीमा के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) था।
- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (25-05-2026 तक) पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, ओडिशा तथा गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी भारत में सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से नीचे या सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ, जम्मू और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- ❖ एक ऊपरी-हवाई चक्रवाती परिसंचरण, दक्षिण बिहार और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक उत्तर-दक्षिण द्रोणी (trough), दक्षिण बिहार से लेकर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी-हवाई चक्रवाती परिसंचरण, मध्य असम और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक द्रोणी, पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैली हुई है।
- ❖ एक द्रोणी, पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी से लेकर दक्षिण-पूर्वी अरब सागर तक निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैली हुई है।
- ❖ एक नया पश्चिमी विक्षोभ, 28 मई, 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 24 मई को असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 मई को असम और मेघालय के कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 26 और 27 मई को अरुणाचल प्रदेश में; 28 से 31 मई के दौरान असम और मेघालय में; और 25, 26, 30 और 31 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 25

मई को अरुणाचल प्रदेश में; और 25 से 27 मई के दौरान असम और मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 25-29 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25-29 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, रायलसीमा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; तथा 26-29 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं या छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 25-29 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; तथा 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ तेज़ हवाएँ (जिनकी गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है और झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ इसके अलावा, 25 और 26 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 25-27 मई तथा 30 और 31 मई को केरल और माहे में; 25, 30 और 31 मई को लक्षद्वीप में; 24 मई को तटीय कर्नाटक में; 24 और 25 मई को आंतरिक कर्नाटक में; तथा 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 28 और 29 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 25-28 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25, 26 और 30 तारीख को गांगेय पश्चिम बंगाल में; 25 तारीख को बिहार में; 25 तारीख को और 28-31 तारीख के दौरान झारखंड में; और 26-28 मई के दौरान ओडिशा में, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-29 तारीख के दौरान गांगेय पश्चिम बंगाल में; 26-29 तारीख के दौरान बिहार में; 26 और 27 तारीख को झारखंड में; और 25 और 29 मई को ओडिशा में, गरज के साथ तेज़ हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, और झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29-31 तारीख के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 25-27 तारीख के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 26 और 27 मई को बिहार में, भारी बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 25, 28 और 29 तारीख को; हिमाचल प्रदेश में 28 और 29 तारीख को; उत्तराखंड में 25 तारीख को और 28 से 31 मई के दौरान, कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 30 और 31 मई को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 तारीख को और राजस्थान में 28 और 29 मई को, कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28 और 29 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 तारीख को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 और 31 मई को, आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, जो झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है) आने की संभावना है।

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 तारीख को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 और 30 तारीख को, आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, जो झोंकों में 80 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28 और 29 तारीख को; उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 29 मई को, कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश में 29 से 31 मई के दौरान; विदर्भ में 28 और 29 मई को; तथा छत्तीसगढ़ में 25 से 29 मई के दौरान, गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 25 से 28 मई के दौरान, तथा मध्य महाराष्ट्र में 25, 27 और 28 मई को, गरज, बिजली चमकने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 6-8°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ मध्य भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ पूर्वी भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 28 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ महाराष्ट्र में 25 मई तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होने की संभावना है, और 26 मई से 31 मई के बीच इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 31 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गर्म रात की चेतावनी:

- ❖ 25-28 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है; वहीं 26 और 27 मई को पंजाब के कुछ इलाकों में, और 25-27 मई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 25-28 मई के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है; वहीं 25-27 मई के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 25-30 मई के दौरान राजस्थान के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है; वहीं 25-28 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 25-29 मई के दौरान मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है; वहीं 25-28 मई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।

- ❖ 25-29 मई के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है; वहीं 25-28 मई के दौरान भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 25-28 मई के दौरान छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, तेलंगाना के कुछ इलाकों में; 25-29 मई के दौरान ओडिशा में; 25-27 मई के दौरान झारखंड में; 25 मई को बिहार में; 26 और 27 मई को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में; और 25-27 मई के दौरान उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- ❖ 25-28 मई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में; तमिलनाडु 25-29 मई के दौरान; 25 और 26 मई को कोंकण और गोवा में; और 25-27 मई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ 25 और 26 मई को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के कुछ इलाकों में; 25-27 मई के दौरान विदर्भ और ओडिशा में; और 25 मई को तेलंगाना में रात के समय भी गर्मी (गर्म रातें) रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 25 मई से 30 मई के दौरान मन्नार की खाड़ी, श्रीलंका के तटों और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में। 28 मई से 30 मई 2026 के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों और उनसे दूर, उत्तरी ओडिशा के सटे तटों और अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: 25 मई से 28 मई के दौरान केरल के तटों और उनसे दूर, लक्षद्वीप और कोमोरिन इलाकों में; और 28 मई से 30 मई के दौरान कोमोरिन इलाके में न जाएं।
- ❖ 29 मई को सोमालिया के तटों और उनसे दूर, तथा दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के सटे कुछ हिस्सों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 25 से 28 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ केरल और माहे: कायमकुलम_ एग्री 16, कायमकुलम 16, पेरुम्पावुर 11, हरिपद 10, मट्टनचेरी 9, उडुम्बन नूर 9, मावेलिकारा 8, करुमाडी 7, चूडी 7, लोअर शोअलियर 7।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: रासीपुरम (11), कांगेयम (9), चेट्टीकुलम (7), नंधियार हेड (7)।
- ❖ असम और मेघालय: तुरा (10)
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: रायगंज (8)

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: लैम_गुंटूर 92, मायलावरम_कॉलेज_ऑफ_इंजीनियर 54
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: कोविलपति 81, इरोड 41, विरुधुनगर 52, तेनकासी 48, थिरुपथिसरम 43, वंबन 43, नाथम 98, कन्नीवाडी 57, वेदसंदूर 50, पैयूर 41, वासु_नामक्कल 41, जलवायु_अनुसंधान_केंद्र_टीएनएयू 41
- ❖ असम और मेघालय: मानस 72, नलबाड़ी 52
- ❖ तेलंगाना: घटकेसर 57, कावेरी सिद्दीपेट 50, बागवानी विश्वविद्यालय मोजेरला 55, इब्राहिमपटनम 48, हैदराबाद 44
- ❖ उत्तराखंड: रानी_चौरी 54, चमोली 48, जौलीग्रांट 44, मुक्तेश्वर 41

- ❖ झारखंड:दुमका 52
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा 50, कलवान 46, बारामती 48, सांगोला 46
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मझियान (50)
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: हेज़ामारा 48, मौसम अगरतला40
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली 44, जी.बी. नगर 43,
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 44, रीवा 41
- ❖ रायलसीमा:तिरुपति 43.
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: हूगली 43, खड़गपुर, झारग्राम 41
- ❖ हरियाणा: पंचकुला और यमुनानगर 43
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर 43, बड़वानी 41, सीहोर 41
- ❖ मराठवाड़ा: अंबेजोगाई (बीड) 41
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ 41

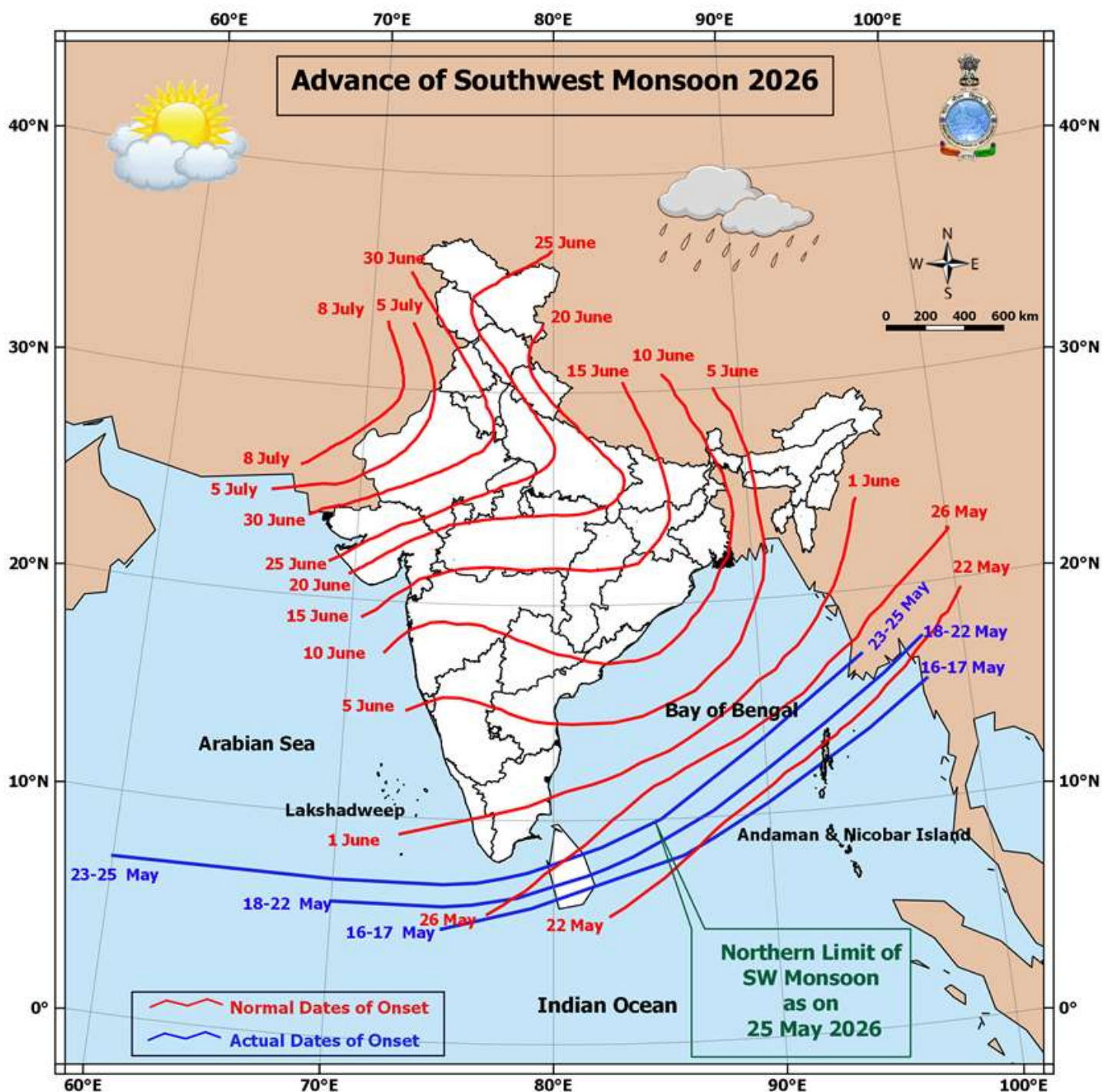
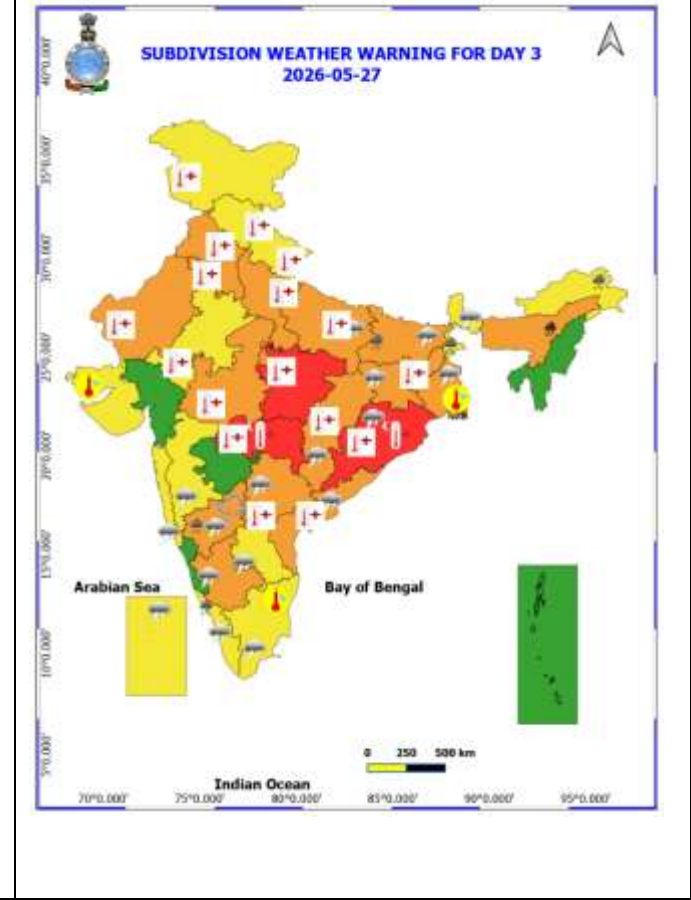
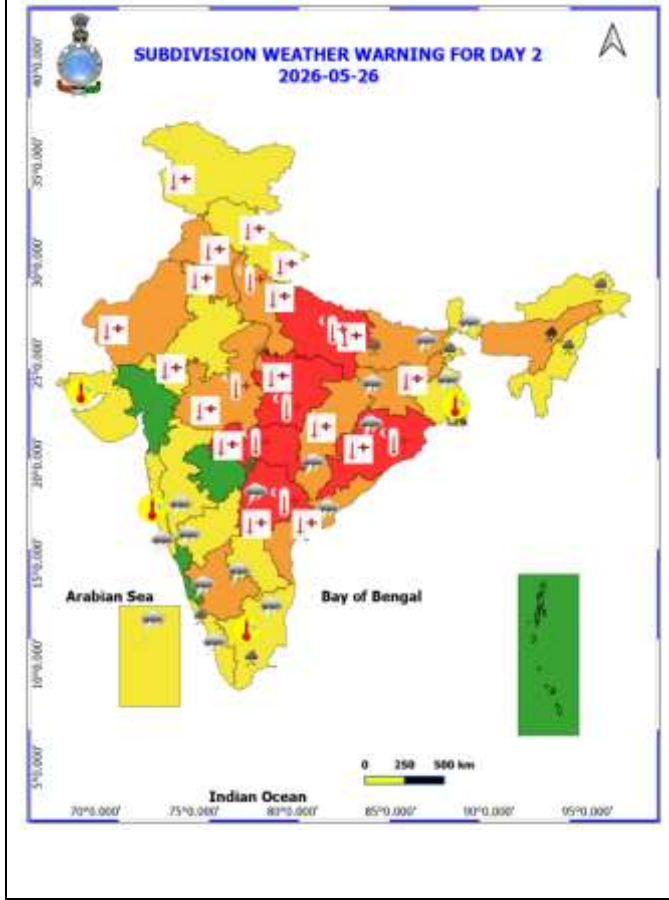
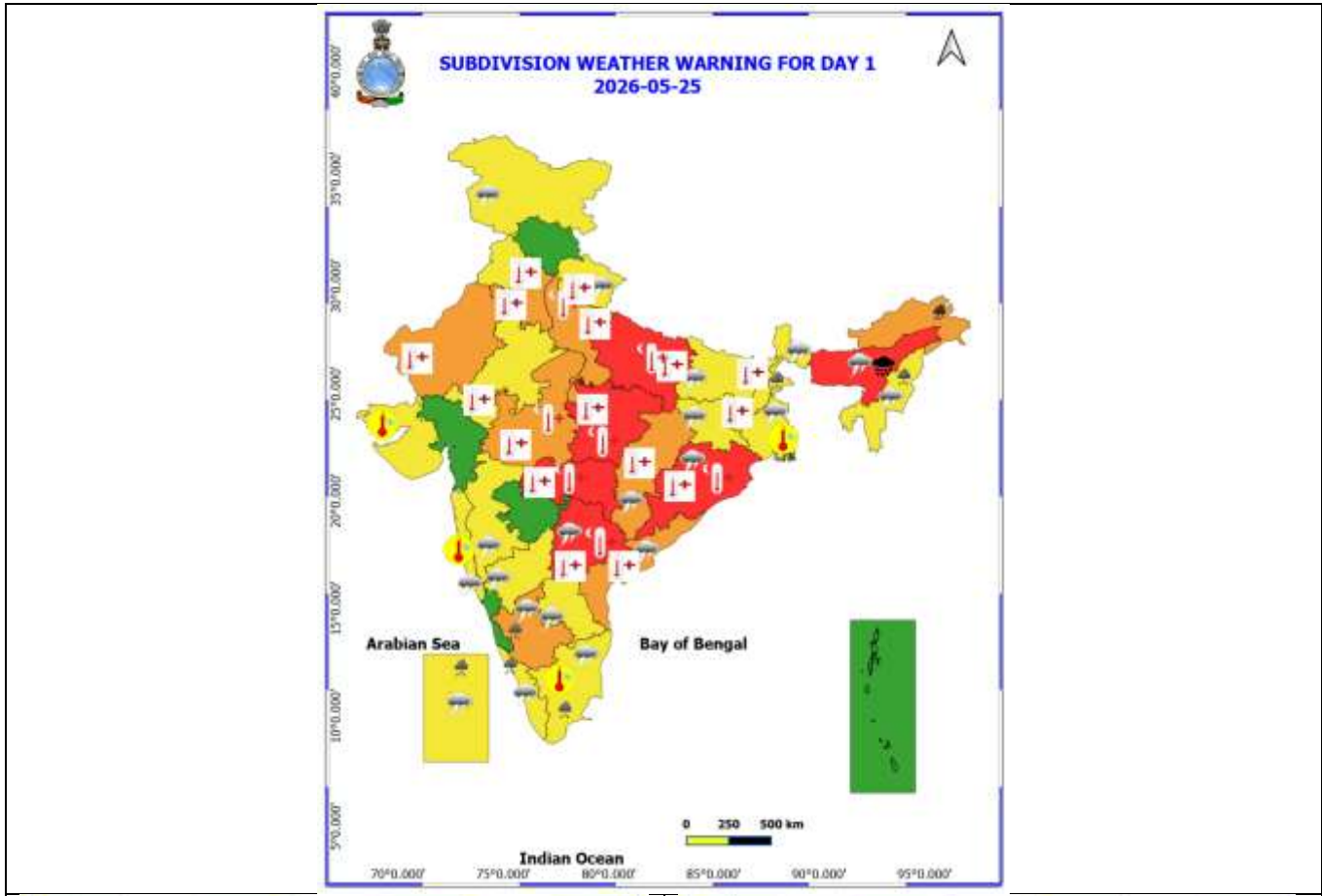
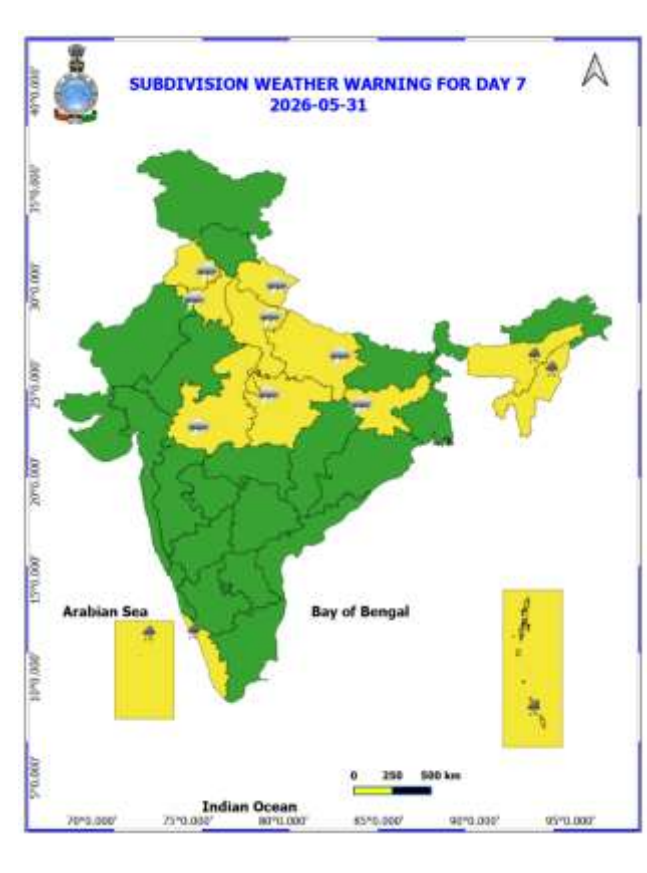
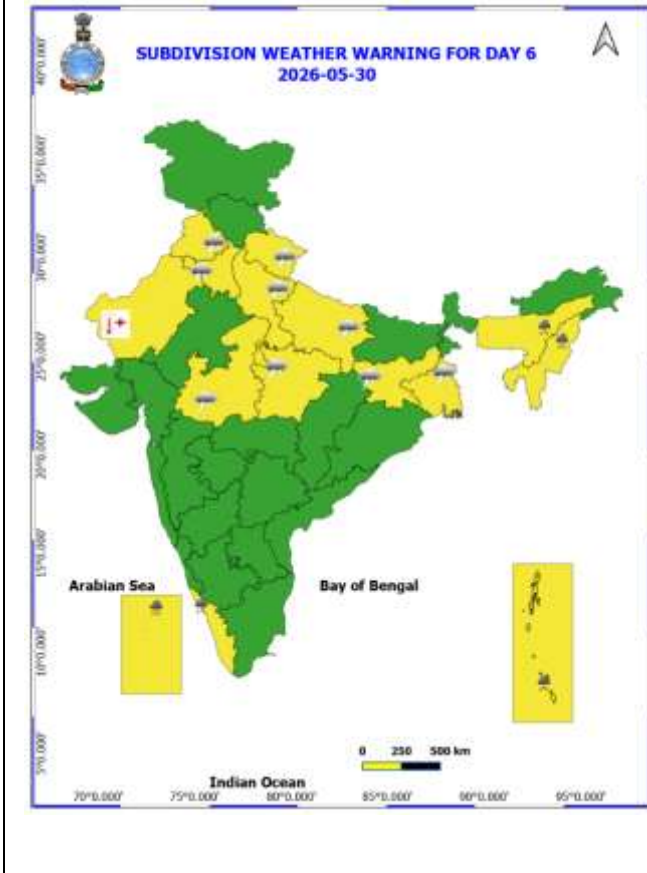
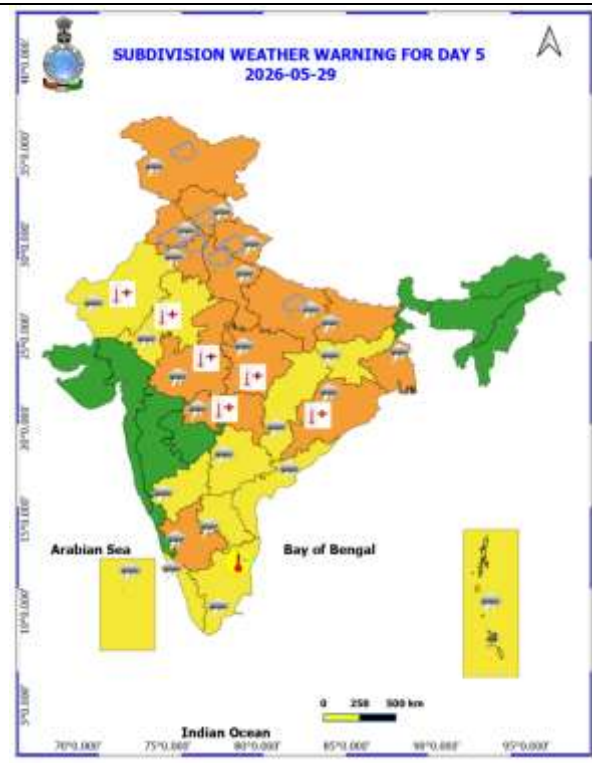
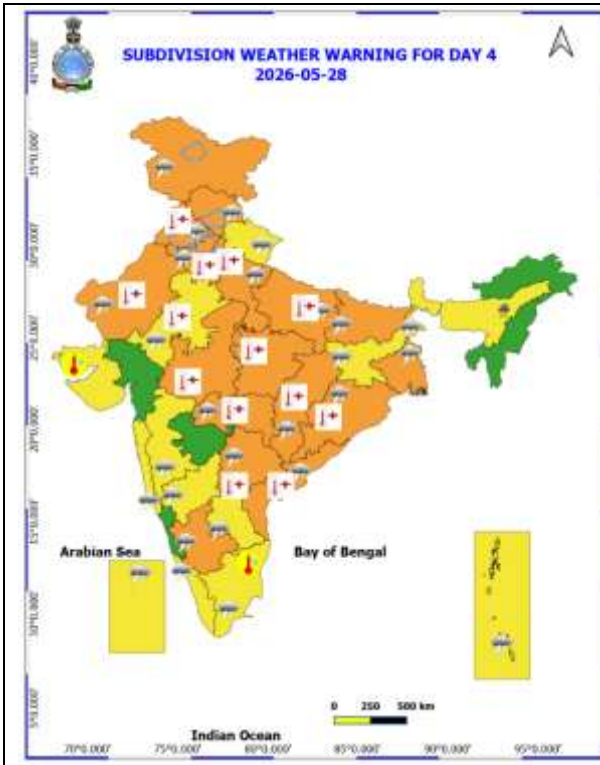


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- May	26- May	27- May	28- May	29- May	30- May	31- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WT	WT	WT	WT	WT	WT	WT
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WT	WT	WT	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WT	WT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	SCT	WS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	SCT	FWS	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	ISOL	ISOL	FWS	FWS	ISOL
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	ISOL	FWS	FWS	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	FWS	FWS	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WT	WT	FWS	FWS	FWS	WT	WT
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

25 मई से 28 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2°C की वृद्धि हुई है और न्यूनतम तापमान में 3-6°C की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 44-45°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30-32°C की सीमा में रहे। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहे। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, जिसमें सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 33 kmph तक के झोंके चले। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रहने की संभावना है, जिसमें दक्षिण-पश्चिम दिशा से 36 kmph तक के झोंके चल सकते हैं।

मौसम पूर्वानुमान:

25.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो दोपहर होते-होते आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 40 kmph तक के झोंके आ सकते हैं। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी के साथ गरज/बिजली चमकने/धूल भरी आँधी और सतह पर तेज़ हवाएँ (40-50 kmph, कभी-कभी 60 kmph तक के झोंके) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से उल्लेखनीय रूप से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेंगे। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

26.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने की स्थिति रहेगी। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 40 kmph तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

27.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू चलने की स्थिति रहेगी। दिन के समय सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 40 kmph तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 30°C से 32°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

28.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच, गरज/बिजली कड़कने और 40-50 kmph की तेज़ सतही हवाओं (जो कभी-कभी 60 kmph तक पहुँच सकती हैं) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42°C से 44°C और 31°C से 33°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतही हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू की स्थिति की संभावना है; हालाँकि, तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। स्वास्थ्य को मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, खासकर कमजोर समूहों जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए।
- सलाह: ज्यादा देर तक गर्मी में रहने से बचें। हल्के वजन वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ तड़ित-झंझा (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, जो झोंकों में 70 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है) की संभावना 25 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 25-29 तारीख के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 27 तारीख को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 27-29 तारीख के दौरान गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल में; 26-29 तारीख के दौरान बिहार में; 26 और 27 तारीख को झारखंड में; 25 और 29 तारीख को ओडिशा में; 28 और 29 तारीख को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 28 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 28 तथा 31 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में संभावना है।
- ❖ तड़ित-झंझा (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है, जो झोंकों में 80 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है) की संभावना 29 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 29 तथा 30 तारीख को पूर्वी उत्तर प्रदेश में संभावना है।
- ❖ छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना 27 तारीख को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28 और 29 तारीख को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; तथा 29 मई को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।

- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 25 मई को असम और मेघालय के कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की पूरी संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 26 और 27 तारीख को; असम और मेघालय में 28 से 31 तारीख के बीच; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 25, 26, 30 और 31 तारीख को; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 25 और 26 तारीख को; केरल और माहे में 25 से 27 तारीख के बीच और 30 व 31 तारीख को; लक्षद्वीप में 25, 30 और 31 तारीख को; तटीय कर्नाटक में 24 तारीख को; आंतरिक कर्नाटक में 24 और 25 तारीख को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 27 तारीख को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 29 से 31 तारीख के बीच; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 से 27 तारीख के बीच; और बिहार में 26 और 27 मई को कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है; इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश में 25 तारीख को और असम व मेघालय में 25 से 27 मई के बीच कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 7 दिनों तक और पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 3-5 दिनों तक ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

❖ रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

❖ ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

❖ येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक** में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, सब्जी, मक्का और नर्सरी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। डब्ल्यूआरसी धान नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी चैनल खुले रखें। धान नर्सरी बेड को पॉलिथीन शीट या पुआल से ढक दें।
- **असम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलिथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, संतरे और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को शीघ्र निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मेघालय** में, साफ मौसम में केले के परिपक्व फलों की तुरंत तुड़ाई करें। मक्का, अदरक, सब्जी, केला और बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- **नागालैंड** में, बैंगन की रोपाईं देरी से करें। पहले से ही रोपे गए पौधों, मक्का, सब्जियों और बागानों में और उसके आसपास उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, आवश्यक जल स्तर बनाए रखने हेतु धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बनाएं। मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।

- **मिजोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) प्रदान करें।
- **त्रिपुरा**, परिपक्व बोडो धान की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- **बिहार** में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुआई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **लक्षद्वीप**, खड़ी फसलों में जलभराव को रोकने हेतु, जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टैकिंग प्रदान करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **पंजाब** में कपास, सब्जियों और बागानों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में, गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, टमाटर और खीरे की नर्सरी में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। नमी बनाए रखने हेतु नर्सरी में सब्जियों के पौधों को घास से ढकें।
- **उत्तराखंड** में, गन्ने में निराई-गुड़ाई करें; गन्ने के सूखे पत्तों से मल्लिचंग करें। मक्का, टमाटर और बैंगन में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में, मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **झारखंड** में, दालों और सब्जियों में नियमित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें।
- **ओडिशा** में - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।

- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, गन्ने, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मलच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचिंग करें।
- **तेलंगाना में**, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

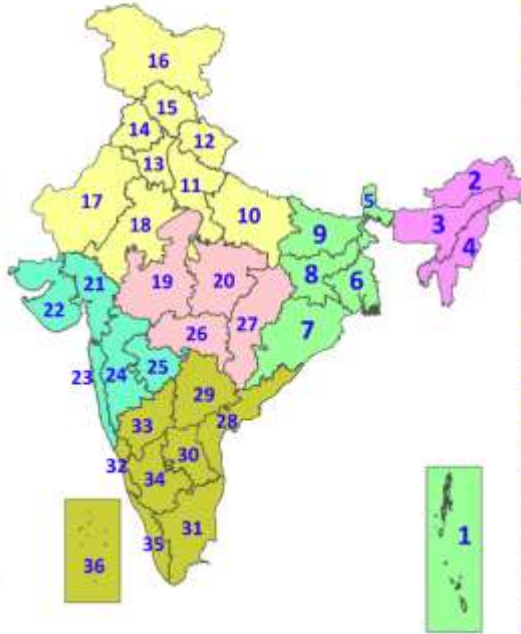
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)